भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 509
जिसका उत्तर बृहस्पतिवार 28 अप्रैल, 2016 को दिया जाना है

पश्चिमी बंगाल में बंद पड़े भारी उद्योगों की संख्या

509. श्री टी. के. रंगराजन:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम बंगाल के विशेष संदर्भ में वर्ष 2011 से 2014 के दौरान बंद पड़े भारी उद्योगों की वर्ष-वार और राज्य-वार संख्या कितनी-कितनी है; और

(ख) पश्चिम बंगाल के विशेष संदर्भ में वर्ष 2011 से 2014 के बीच पुन: शुरू किए गए भारी उद्योगों की वर्ष-वार और राज्य-वार संख्या कितनी-कितनी है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क): चूंकि, उद्योग राज्य का विषय है, इसलिए पश्चिम बंगाल सहित पूरे देश में बंद कर दिए गए भारी उद्योगों से संबंधित कोई भी केन्द्रीकृत आंकड़ा भारी उद्योग विभाग में नहीं रखा जाता है। भारी उद्योग विभाग की भूमिका इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और सेक्टरों के प्रशासन तक सीमित है।

(ख): उपर्युक्त को देखते हुए, प्रश्न नहीं उठता।

****